ISSN : 2583-2948

क्या है आज़ादी का अर्थ?

डॉ दीपा अंटिन "मुस्कान"
हिन्दी प्राध्यापिका
रानी चेन्नम्मा विश्वविद्यालय
संगोल्ली रायन्ना प्रथम श्रेणी घटक महाविद्यालय
बेलगाव, कर्नाटक
मोबाइल:9481738459
ईमेल :deepaantin789@gmail.com

आज़ादी का अर्थ गुम है
आज की इस मतलबी दुनिया मे।
अपनी मनमानी को ही
आज़ादी का रूप देकर
करते नित कानून उल्लंघन।
संविधान के नियमों को बस
दुरूपयोग ए लोग करतें हैं।
सभ्य नागरिक की पहचान
हेतु बने कानून संविधान में।
दूसरों की शांति को भंग करते
स्वार्थी कुछ इंसान है।
लाज उतारते शर्म न आती
इनको,
अपनी ही बहु बेटियों की।
जहाँ देखे वहाँ सत्ताधीशों
की ही बोलबाला है।
कुछ स्वार्थियों ने बना रखा
अपने ही अलग कानून है।
मिले राहत फिर कहाँ
जो कुछ बचे कुचे प्रामाणिक
लोगों को।
बेईमानी के कारण हेतु ही तो
प्रतिभाशालियों को मौके कहाँ
सरकारी नौकरियों में है??
भ्रस्टाचार से तो आफ़त अब
देश को हमारे हैं।
आजादी के अर्थ
मनमानी तो नहीं है।

ISSN : 2583-2948

फिर क्यों आज के भारतवासी
भुलगये उन वीरों के त्याग,बलिदान को?
इससे अच्छे तो वह
दिन गुलामी के थे।
जहाँ मत भेद की लड़ाईयों
से ज्यादा भारत की आज़ादी
केलिए लड़नेवाले परवाने थे।
लक्ष्य सभी का सिर्फ आज़ादी।
वैसे वीर जवानों का था
यह सपनों का भारत।
आज तो नाम पे आज़ादी
के बली चढ़ा रहे भारत का
कुछ मनमानी स्वार्थी गुलाम सत्ताधीशों के।
बैठे है भूल कि,
आज़ादी मिली है यह
बड़े तकलीफों से।
समझ भी जाओ रे अब
आज़ादी का अर्थ
देश को बांटना नही है।